M.A. Jyotirvijyan – 3rd Semester Semester Exam 2021

कोड- MJY-E303

प्रश्न-पत्र का नाम-Ayush evm Jyotirvigyan

समय- 3 घण्टे **अधिकतम अंक-70**

नोट- प्रश्न-पत्र दो खण्डों ए एवं बी में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड निर्देशानुसार हल करना अनिवार्य है।

खण्ड 'ए'

) (लुघ्उत्तरीय प्रश्न

नोट- किन्हीं पांच प्रश्नों केउत्तर 150 शब्दों में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है।

प्रश्न 1 रोग भाव का संक्षिप्त परिचय दे।
प्रश्न 2 शरीर पर राशियों का स्थान बताइये।
प्रश्न 3 राहु की दशा में होने वाले रोगों पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न 4 दृष्ट निमित्य रोगों पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।
प्रश्न 5 दुर्धटना का वर्णन करो।
प्रश्न 6 निमित्य जन्म रोगों के भेदों का वर्णन करो।
प्रश्न 7 ग्रहों के रत्नों पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न 8 सोदाहरण सूक्ष्म दशा का नियम प्रस्तुत करो।
प्रश्न 9 बहिरापन रोग पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।
प्रश्न 10 शनि की दशा में होने वाले रोगों का विवेचन कीजिए।

खण्ड 'बी'

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट- किन्हीं चार प्रश्नों केउत्तर विस्तृत रूप में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है

प्रश्न 11 रोगनिवृत्ति के लिये मन्त्रानुष्ठान पर विस्तार से प्रकाश डालिए।
प्रश्न 12 रोगोत्पत्ति का संभावित समय उदहारण द्वारा स्पष्ट करे।
प्रश्न 13 सोदहारण विंशोत्तरी का नियम प्रस्तुत करे।
प्रश्न 14 चन्द्र और सूर्य की दशा में होने वाले रोगों का विवेचन कीजिए।
प्रश्न 15 दीर्घायु योग का विस्तार से वर्णन करे।
प्रश्न 16 रोग निवृत्ति के लिए रत्न-धारण पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न 17 रोगों के कारणों का विवेचनात्मक अध्ययन प्रस्तुत करो।
प्रश्न 18 रोग कारक भावों पर निबन्ध लिखो।